

भारत सरकार
शिक्षा मंत्रालय
उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या-1134
उत्तर देने की तारीख-10/02/2025

केंद्रीय जनजाति विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी)

†1134. श्री अप्पलनायडू कलिसेट्टी:

क्या शिक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या केन्द्रीय जनजाति विश्वविद्यालय आंध्र प्रदेश (सीटीयूएपी) की स्थापना को केन्द्र सरकार ने 2018 में मंजूरी दी थी और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
- (ख) क्या विगत पांच वर्षों के दौरान सीटीयूएपी के लिए स्थल में परिवर्तन किया गया था और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
- (ग) विगत पांच वर्षों के दौरान अवसंरचनात्मक विकास, संकाय भर्ती और छात्रों के नामांकन के संबंध में प्राप्त उपलब्धियों का वर्षवार ब्यौरा क्या है;
- (घ) पिछले पांच वर्षों के दौरान शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्य संचालन की स्थिति क्या है तथा पढ़ाए जा रहे पाठ्यक्रमों और नामांकित छात्रों की संख्या कितनी है;
- (ङ) स्थायी, संविदात्मक और रिक्त पदों के आधार पर वर्गवार संकाय भर्ती की स्थिति क्या है और रिक्तियों को भरने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और
- (च) विश्वविद्यालय के पूर्ण संचालन और अभीष्ट उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अपेक्षित समय-सीमा क्या है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (च): केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा आंध्र प्रदेश राज्य में आंध्र प्रदेश केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय (सीटीयूएपी) की स्थापना मुख्य रूप से भारत की जनजातीय आबादी के लिए उच्चतर शिक्षा और अनुसंधान सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई है। आंध्र प्रदेश सरकार ने सीटीयूएपी की स्थापना के लिए विजयनगरम जिले के मेंटाडा और दत्तीराजेरु मंडल में 561.66 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है। भारत सरकार ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए 420 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं, जिसमें से अब तक 124.07 करोड़ रुपये की राशि जारी की जा चुकी है।

विश्वविद्यालय ने शैक्षणिक वर्ष 2019-20 से आंध्र प्रदेश के विजयनगरम जिले में ट्रांजिट परिसर में कार्य करना शुरू कर दिया है। इसके अतिरिक्त, 18 संकाय पद स्वीकृत किए गए थे, जिन्हें विश्वविद्यालय द्वारा भर दिया गया है। विगत पांच वर्षों के दौरान विश्वविद्यालय के 14 पाठ्यक्रमों में नामांकित छात्रों की संख्या 444 है।

* * *